मंथन : शहीद महेंद्र कर्मा विवि ने संबद्ध कॉलेजों को नीति से कार्यशाला में कराया गया अवगत

राष्ट्रीय शिक्षा नीति से छात्र हुनरमंद बनेंगे और पढ़ाई की कठिनाइयां दूर होंगी

नए एडमिशन वाले छात्रों पर ही नई नीति लागू होगी, पुराने छात्र पुराने तरीके से पढ़ेंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर सोमवार को पीजी कॉलेज धरमपुरा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मूल बिन्दुओं से कॉलेजों को अवगत कराने कार्यशाला आयोजित किया। इसमें विवि से संबद्ध 53 महाविद्यालयों से 160 प्रतिभागी शामिल हुए जिनमें प्राचार्य, एनईपी प्रभारी और प्रवेश प्रभारी शामिल थे। विवि के कुलपति प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। साथ ही कार्यशाला के लिए उच्च शिक्षा विभाग रायपुर द्वारा मनोनीत प्रोफेसर डॉ. जीए घनश्याम और डॉ. डीके श्रीवास्तव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति पढ़ाई से जुड़ी कठिनाइयों को दूर करेगी। इससे छात्रों को अपना हुनर दिखाने का मौका मिलेगा। विषय विशेषज्ञ डॉ. घनश्याम ने बताया कि अब विद्यार्थी 70 अंकों के लिए मुख्य परीक्षा देंगे और 30 अंक उन्हें इंटरनल असेसमेंट से मिलेंगे। रेगुलर के लिए जो प्रणाली तय की गई है वह प्राइवेट के लिए भी लागू होगी। अभी जो छात्र पुरानी पद्धति से पढ़ाई कर रहे हैं उनकी पढ़ाई वैसे ही चलती रहेगी। नए एडमिशन वालों पर नई नीति लागू होगी। 2035 तक 50 प्रतिशत ग्रॉस इनरोलमेंट पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है। चार वर्षीय पाठ्यक्रम के बाद पीजी एक साल का हो जाएगा।

जगदलपुर . कार्यशाला को संबोधित करते विवि के कुलपति और मंच पर उपस्थित विशेषज्ञ।

सोमवार को पीजी कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में मौजूद कॉलेजों के प्रतिनिधि।

नीति की बारीकियों को समझा, सवाल पूछ शंका का समाधान भी किया

कार्यशाला के तकनीकी सत्र को प्रोफेसर डॉ. डीके श्रीवास्तव ने संबोधित करते हुए चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि 7.5 ग्रेड से ज्यादा वालों को ऑनर्स विद रिसर्च की डिग्री मिलेगी। नई शिक्षा नीति में पढ़ाई के साथ ही साथ कौशल विकास पर भी जोर दिया गया है। इसके तहत छात्र इंटर्नशिप तथा रिसर्च प्रोजेक्ट का भी लाभ उठा सकेंगे। पाठ्यक्रम में फ्लेक्सिबल एंट्री-एग्जिट का मौका भी दिया गया है, जिससे संपूर्ण पाठ्यक्रम पूरा न कर पाने वाले छात्रों को भी सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री मिल सकेगा। च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के साथ छात्रों को मल्टीपल एंट्री और एग्जिट का विकल्प मिलेगा। कार्यशाला के अंत में धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव अभिषेक बाजपेयी ने किया। संचालन डॉ. रानी मैथ्यू ने किया। इस दौरान उच्च शिक्षा विभाग के सहायक संचालक टीआर रात्रे, कार्यक्रम के संयोजक और विवि के चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर डॉ. शरद नेगा, प्रोफेसर डॉ. स्वपन कुमार कोले, डॉ. विनोद कुमार सोनी, सहायक कुलसचिव देववरण गावड़े, केजू राम ठाकुर, डॉ. संजय डोंगरे समेत विवि के समस्त प्रध्यापकगण, अधिकारी-कर्मचारी और सम्बद्ध महाविद्यालय के प्रतिनिधि मौजूद थे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति से तैयार नागरिक कठिनाई दूर करेंगे

कुलपति प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक अच्छा नागरिक तैयार करेगी। ऐसा नागरिक जिसके पास विविध जानकारियां होंगी और उन जानकारियों के आधार पर कठिन से कठिन समस्या का वे हल ढूंढ पाएंगे। नीति की वजह से छात्रों का हुनर सामने आएगा और वे इनोवेटिव बन पाएंगे। स्कील बेस्ड कैरिकुलम की वजह से छात्रों को विभिन्न विधाओं को जानने और समझने का अवसर मिलेगा। इस नीति की वजह से विद्यार्थी मूल विषय की पढ़ाई के साथ कौशल विकास भी कर पाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सीधा संबंध शिक्षा की गुणवत्ता से है। छात्र जब राष्ट्रीय शिक्षा नीति से तैयार होकर समाज में जाएंगे तो उनमें व्यापक बदलाव नजर आएगा। इसका सीधा असर समाज पर पड़ेगा। कुलपति प्रोफेसर श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति हमारी प्रतिष्ठा है। इसे हमें बेहतर तरीके से लागू करने के लिए एक साथ मिलकर काम करना होगा। बस्तर से इस कार्यशाला की शुरुआत हो रही है। यह भी एक ऐतिहासिक लम्हा है जब प्रदेश में पहली बार बस्तर अंचल के कॉलेज इस नीति के बारे में सबसे पहले जान पा रहे हैं।

दैनिक भास्कर

बस्तर भास्कर 28-05-2024

नई शिक्षा नीति • बस्तर विश्वविद्यालय ने संबद्ध महाविद्यालयों को नीति से अवगत करवाने कार्यशाला आयोजित की

ग्रेजुएशन 4, पीजी 1 साल का होगा, प्राइवेट-रेगुलर छात्र के लिए एक पैटर्न

भास्कर न्यूज | जगदलपुर

बस्तर विश्वविद्यालय ने सोमवार को शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (पीजी कॉलेज) में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मूल बिंदुओं की जानकारी देने संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में विश्वविद्यालय से संबद्ध 53 महाविद्यालयों से 160 प्रतिभागी शामिल हुए, जिनमें प्राचार्य, एनईपी प्रभारी और प्रवेश प्रभारी शामिल थे।

जगदलपुर। कार्यक्रम शामिल होते अलग-अलग कॉलेजों के प्रतिनिधि।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उच्च शिक्षा विभाग रायपुर द्वारा मनोनीत प्रोफेसर डॉ. जीए घनश्याम और डॉ. डीके श्रीवास्तव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने प्रतिभागियों की शंका का समाधान किया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति पढ़ाई से जुड़ी कठिनाइयों को दूर करेगी। विद्यार्थी को हुनर दिखाने का मौका मिलेगा। चार वर्षीय ग्रेजुएशन सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रम पूरा करने सात साल मिलेंगे। विषय विशेषज्ञ डॉ. जीए घनश्याम ने बताया कि विद्यार्थी 70 अंकों के लिए मुख्य परीक्षा देंगे और 30 अंक उन्हें इंटरनल असेसमेंट से मिलेंगे। रेगुलर के लिए जो प्रणाली तय की है वह प्राइवेट के लिए भी लागू होगी। क्रेडिट बेस्ड सिस्टम का फायदा मिलेगा। 2035 तक 50 प्रतिशत ग्रॉस इनरोलमेंट पहुंचाने का लक्ष्य है। प्राइवेट वाले भी जीआर में शामिल हो जाएंगे। 4 वर्षीय पाठ्यक्रम के बाद पीजी एक साल का हो जाएगा। प्रदेश के 8 ऑटोनॉमस कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति दो साल से लागू है। अब यह प्रदेश के बाकी 335 कॉलेजों में लागू होगी। स्किल बेस्ड करिकुलम तैयार किया है। कम्युनिकेशन स्किल पर भी काम होगा। कार्यशाला के बाद हर जिले से मास्टर ट्रेनर्स तय होंगे जो रायपुर से ट्रेनिंग लेकर आएंगे और कॉलेजों में जानकारियां देंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को कॉलेज से आम लोगों के बीच तक ले जाएं। ।

प्रोफेसर डॉ. डीके श्रीवास्तव ने स्नातक के बारे में बताया कि 7.5 ग्रेड से ज्यादा वालों को ऑनर्स विद रिसर्च की डिग्री मिलेगी। फ्लेक्सिबल एंट्री-एग्जिट का मौका दिया है, जिससे संपूर्ण पाठ्यक्रम पूरा न कर पाने वाले छात्रों को भी सर्टिफिकेट, डिप्लोमा मिल सकेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक अच्छा नागरिक तैयार करेगी

कुलपति प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक अच्छा नागरिक तैयार करेगी, जिसके पास विविध जानकारियां होंगी। छात्र तरह-तरह के इनोवेटिव बन पाएंगे। स्किल बेस्ड करिकुलम से छात्रों को विभिन्न विधाओं को जानने और समझने का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति हमारी प्रतिष्ठा है। इसे हमें बेहतर तरीके से लागू करने एक साथ मिलकर काम करना होगा। तकनीकी सत्र में नीति की बारीकियों को समझा, सवाल पूछ शंका का समाधान भी किया।

अच्छा नागरिक तैयार करेगी नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति : कुलपति

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय द्वारा आज धरमपुरा स्थित पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मूल बिन्दुओं से अवगत कराने हेतु संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित किया गया। जिसमें 53 महाविद्यालयों से 160 प्रतिभागी शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो डॉ मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक अच्छा नागरिक तैयार करेगी। ऐसा नागरिक जिसके पास विविध जानकारियां होंगी। नई नीति की वजह से छात्रों का हुनर सामने आएगा और वे तरह-तरह के इनोवेटिव बन पाएंगे। स्किल बेस्ड कैरिकुलम की वजह से छात्रों को विभिन्न विधाओं को जानने और समझने का अवसर मिलेगा।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता उच्च शिक्षा विभाग रायपुर द्वारा मनोनीत प्रो डॉ. जीए घनश्याम और डॉ. डीके श्रीवास्तव ने कार्यशाला के प्रतिभागियों की शंका का समाधान किया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति पढ़ाई से जुड़ी कठिनाइयों को दूर करेगी। इससे छात्रों में प्रतिस्पर्धा की हीन भावना भी दूर होगी। हर विद्यार्थी को अपना हुनर दिखाने का मौका मिलेगा। चार वर्षीय ग्रेजुएशन सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए सात वर्ष का समय मिलेगा। विषय विशेषज्ञ डॉ. जी. ए घनश्याम ने बताया कि अब विद्यार्थी 70 अंकों के लिए मुख्य परीक्षा देंगे और 30 अंक उन्हें इंटरनल असेसमेंट से मिलेंगे। रेगुलर के लिए जो प्रणाली तय की गई है वह प्राइवेट के लिए भी लागू होगी। क्रेडिट बेस्ड सिस्टम का फायदा विद्यार्थियों को मिलेगा। 2035 तक 50 प्रतिशत ग्रॉस इनरोलमेंट पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है। प्राइवेट वाले भी जीआर में शामिल हो जाएंगे। चार वर्षीय पाठ्यक्रम के बाद पीजी एक साल का हो जाएगा। कुलपति ने कहा कि इस नीति की वजह से विद्यार्थी मूल विषय के साथ कौशल विकास भी कर पाएंगे। कठिन से कठिन समस्याओं का हल ढूंढने के लिए भी वे परिपक्व बनेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सीधा संबंध शिक्षा की गुणवत्ता से भी है। छात्र जब राष्ट्रीय शिक्षा नीति से तैयार होकर समाज में जाएंगे तो उनमें व्यापक बदलाव नजर आएगा।

इस सत्र से 335 कॉलेजों में लागू होगी नयी शिक्षा नीति

वक्ताओं ने बताया कि प्रदेश के 8 ऑटोनॉमस कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पिछले दो वर्ष से लागू है, अब यह प्रदेश के बाकी 335 कॉलेजों में लागू होने जा रही है। नई नीति विद्यार्थियों के हुनर को सामने लाएगी। इसके लिए स्किल बेस्ड करिकुलम तैयार किया गया है। विद्यार्थियों के कम्युनिकेशन स्कील पर भी अब काम होगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के बाद हर जिले से मास्टर ट्रेनर्स तय किए जाएंगे जो रायपुर से ट्रेनिंग लेकर आएंगे और अपने जिले के कॉलेजों में जानकारियां देंगे।

4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के ये होंगे लाभ

कार्यशाला के तकनीकी सत्र को संबोधित करते हुए मुक्त वक्ता प्रो डॉ डीके श्रीवास्तव ने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि 7.5 ग्रेड से ज्यादा वालों को ऑनर्स विद रिसर्च की डिग्री मिलेगी। नई शिक्षा नीति में पढ़ाई के साथ ही साथ कौशल विकास पर भी जोर दिया गया है। इसके तहत छात्र इंटर्नशिप तथा रिसर्च प्रोजेक्ट का भी लाभ उठा सकेंगे। पाठ्यक्रम में फ्लेक्सिबल एंट्री-एग्जिट का मौका भी दिया गया है, जिससे संपूर्ण पाठ्यक्रम पूरा न कर पाने वाले छात्रों को भी सर्टिफिकेट-डिप्लोमा आदि मिल सकेगा।

हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, मंगलवार 28 मई 2024
बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

मान
37.0 डिग्री
27.0 डिग्री

10 बक्से बनाकर 11 लख रुपए के गांजे की तस्करी...

11 नौतपा के तीसरे दिन गर्मी और उमस ने ...

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पढ़ाई से जुड़ी कठिनाइयों को करेगी दूर, मिलेगा अधिक समय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय द्वारा सोमवार को शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मूल बिन्दुओं से अवगत कराने के लिए संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय से संबद्ध 53 महाविद्यालयों से 160 प्रतिभागी शामिल हुए, जिनमें प्राचार्य, एनईपी प्रभारी और प्रवेश प्रभारी शामिल थे। कुलपति प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, प्रोफेसर डॉ. जीए घनश्याम और डॉ. डीके श्रीवास्तव मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कार्यशाला के प्रतिभागियों की शंका का समाधान किया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति पढ़ाई से जुड़ी कठिनाइयों को दूर करेगी। इससे छात्रों में प्रतिस्पर्धा की हीन भावना दूर होगी। हर विद्यार्थी को अपना हुनर दिखाने का मौका मिलेगा। चार वर्षीय ग्रेजुएशन सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए सात वर्ष का समय मिलेगा। विषय विशेषज्ञ डॉ. घनश्याम ने बताया कि अब विद्यार्थी 70 अंकों के लिए मुख्य परीक्षा देंगे और 30 अंक उन्हें इंटरनल असेसमेंट से मिलेंगे। रेगुलर के लिए जो प्रणाली तय की गई है, वह प्राइवेट के लिए भी लागू होगी। क्रेडिट बेस्ड सिस्टम का फायदा विद्यार्थियों को मिलेगा। आभार कुलसचिव अभिषेक बाजपेयी ने माना, संचालन ▶▶| शेष पेज 10 पर

हर विद्यार्थी को अपना हुनर दिखाने का मौका मिलेगा : कुलपति

2035 तक 50 प्रतिशत ग्रॉस इनरोलमेंट पहुंचाने का लक्ष्य

कार्यशाला में वक्ताओं के मुताबिक 2035 तक 50 प्रतिशत ग्रॉस इनरोलमेंट पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है। प्राइवेट वाले भी जीआर में शामिल हो जाएंगे। चार वर्षीय पाठ्यक्रम के बाद पीजी एक साल का हो जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 8 ऑटोनॉमस कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पिछले दो वर्ष से लागू है, अब यह प्रदेश के बाकी 335 कॉलेजों में लागू होने जा रही है।

नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों को बनाएगा हुनरमंद

नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के हुनर को सामने लाएगी इसके लिए स्कील बेस्ड करिकुलम तैयार किया गया है। विद्यार्थियों के कम्युनिकेशन स्किल पर भी अब काम होगा। इस कार्यशाला के बाद हर जिले से मास्टर ट्रेनर्स तय किए जाएंगे जो रायपुर से ट्रेनिंग लेकर आएंगे और अपने जिले के कॉलेजों में जानकारियां देंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले वक्त में जितना हो सके राष्ट्रीय शिक्षा नीति को कॉलेज से आम लोगों के बीच तक ले जाएं। कॉलेज में फ्लेक्स लगाएं, विवि के पोर्टल में इसकी जानकारी डालें।

शहीद महेंद्र कर्मा विवि ने संबद्ध कॉलेजों को नीति से अवगत करवाने कार्यशाला आयोजित की

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पढ़ाई की कठिनाइयों को दूर करेगी और छात्रों को हुनरमंद बनाएगी

अमन पथ न्यूज

जगदलपुर। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर द्वारा आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सोमवार को धरमपुरा स्थित शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मूल बिन्दुओं से अवगत कराने हेतु संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय से संबद्ध 53 महाविद्यालयों से १६० प्रतिभागी शामिल हुए जिनमें प्राचार्य, एनईपी प्रभारी और प्रवेश प्रभारी शामिल थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। साथ ही कार्यशाला के लिए उच्च शिक्षा विभाग रायपुर द्वारा मनोनीत प्रोफेसर डॉ. जी.ए घनश्याम और डॉ. डी.के श्रीवास्तव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कार्यशाला के प्रतिभागियों की

नए एडमिशन वाले छात्रों पर ही नई नीति लागू होगी, पुराने छात्र पुराने तरीके से पढ़ेंगे

शंका का समाधान किया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति पढ़ाई से जुड़ी कठिनाइयों को दूर करेगी। इससे छात्रों को अपना हुनर दिखाने का मौका मिलेगा। चार वर्षीय सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए सात वर्ष का समय मिलेगा। विषय विशेषज्ञ डॉ. जी. ए घनश्याम ने बताया कि अब विद्यार्थी ७० अंकों के लिए मुख्य परीक्षा देंगे और ३० अंक उन्हें इंटरनल असेसमेंट से मिलेंगे। रेगुलर के लिए जो प्रणाली तय की गई है वह प्राइवेट के लिए भी लागू होगी। क्रेडिट बेस्ड सिस्टम का फायदा विद्यार्थियों को मिलेगा। 2035 तक 50 प्रतिशत ग्रॉस इनरोलमेंट पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है। प्राइवेट वाले भी जीआर में शामिल हो जाएंगे। चार वर्षीय पाठ्यक्रम के बाद पीजी एक साल का हो जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 8 ऑटोनॉमस कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पिछले दो वर्ष से लागू है अब यह प्रदेश के बाकी 335 कॉलेजों में लागू होने जा रही है। नई नीति विद्यार्थियों के हुनर को सामने लाएगी।

इसके लिए स्कील बेस्ड करिकुलम तैयार किया गया है। विद्यार्थियों के कम्युनिकेशन स्कील पर भी अब काम होगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के बाद हर जिले से मास्टर ट्रेनर्स तय किए जाएंगे जो रायपुर से ट्रेनिंग लेकर आएंगे और अपने जिले के कॉलेजों में जानकारियां देंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले वक्त में जितना हो सके राष्ट्रीय शिक्षा नीति को कॉलेज से आम लोगों के बीच तक ले जाएं। कॉलेज में फ्लेक्स लगाएं, विवि के पोर्टल में इसकी जानकारी डालें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक अच्छा नागरिक तैयार करेगी

कुलपति प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक अच्छा नागरिक तैयार करेगी। ऐसा नागरिक जिसके पास विविध जानकारियां होंगी। नई नीति की वजह से छात्रों का हुनर सामने आएगा और वे तरह-तरह के इनोवेटिव बन पाएंगे। स्कील बेस्ड कैरिकुलम की वजह से छात्रों को विभिन्न विधाओं को जानने और समझने का अवसर मिलेगा। इस नीति की वजह से विद्यार्थी मूल विषय के साथ कौशल विकास भी कर पाएंगे। कठिन से कठिन समस्याओं का हल ढूंढने के लिए भी भी वे परिपक्व बनेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सीधा संबंध शिक्षा की गुणवत्ता से भी है। छात्र जब राष्ट्रीय शिक्षा नीति से तैयार होकर समाज में जाएंगे तो उनमें व्यापक बदलाव नजर आएगा। इसका सीधा असर समाज पर पड़ेगा। कुलपति प्रोफेसर श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति हमारी प्रतिष्ठा है। इसे हमें बेहतर तरीके से लागू करने के लिए एक साथ मिलकर काम करना होगा। बस्तर से इस कार्यशाला की शुरूआत हो रही है। यह भी एक ऐतिहासिक लम्हा है जब प्रदेश में पहली बार बस्तर अंचल के कॉलेज इस नीति के बारे में सबसे पहले जान पा रहे हैं।

तकनीकी सत्र नीति की बारीकियों को समझा, सवाल पूछ शंका का समाधान भी किया

कार्यशाला के तकनीकी सत्र को प्रोफेसर डॉ. डी. के श्रीवास्तव ने संबोधित करते हुए चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि 7.5 ग्रेड से ज्यादा वालों को ऑनर्स विद रिसर्च की डिग्री मिलेगी। नई शिक्षा नीति में पढ़ाई के साथ ही साथ कौशल विकास पर भी जोर दिया गया है। इसके तहत छात्र इंटर्नशिप तथा रिसर्च प्रोजेक्ट का भी लाभ उठा सकेंगे। पाठ्यक्रम में फ्लेक्सिबल एंट्री-एग्जिट का मौका भी दिया गया है, जिससे संपूर्ण पाठ्यक्रम पूरा न कर पाने वाले छात्रों को भी सर्टिफिकेट-डिप्लोमा आदि मिल सकेगा। क्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के साथ छात्रों को मल्टीपल एंट्री और एग्जिट का विकल्प मिलेगा। नई नीति में अब छात्रों के रिजल्ट सीजीपीए यानी ग्रेड प्वाइंट एवरेज पर आधारित होंगे। छात्रों को नई नीति में स्किल इनहैंसमेंट कोर्स, वैल्यू एडिशन कोर्स के साथ ही डिजरटेशन, रिसर्च, प्रोजेक्ट के साथ इंटर्नशिप का मौका मिलेगा। कार्यशाला के अंत में धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव श्री अभिषेक बाजपेयी ने किया। संचालन डॉ. रानी मैथ्यू ने किया। इस दौरान उच्च शिक्षा विभाग के सहायक संचालक श्री टी.आर राठे, कार्यक्रम के संयोजक और विश्वविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर डॉ. शरद नेमा, प्रोफेसर डॉ. स्वपन कुमार कोले, डॉ. विनोद कुमार सोनी, सहायक कुलसचिव देवचरण गावड़े, श्री केजू राम ठाकुर, डॉ. संजय डोंगरे समेत विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, अधिकारी-कर्मचारी और सम्बद्ध महाविद्यालय के प्रतिनिधि मौजूद थे।